

Padma Vibhushan



SHRI MUPPAVARAPU VENKAIAH NAIDU

Shri Muppavarapu Venkaiah Naidu, the 13th Vice-President of India, has been a prominent political leader for over five decades.

2. Born on 1st July 1949 in Chavatapalem village in the Nellore District of Andhra Pradesh, Shri Naidu was initiated early into mainstream politics as a student activist and played an important role in the Jai Andhra Movement in 1972. A law graduate from Andhra University, he has had a long, illustrious career as a legislator spanning over thirty-four years, ten years as an MLA from Udayagiri in Nellore district and nearly twenty-four years as a member of Rajya Sabha from Karnataka and Rajasthan. He served as Union Minister of Rural Development in 1999 in the Council of Ministers headed by the then Prime Minister Shri Atal Bihari Vajpayee. Later, under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, he served, between 2014 and 2017, as Union Minister of Parliamentary Affairs, Union Minister of Urban Development, Housing and Urban Poverty Alleviation and Union Minister of Information and Broadcasting. He was the Vice-President of India from 2017 to 2022.

3. Shri Naidu has consistently championed the cause of farmers and development of backward areas during his political journey. He played key roles in enhancing rural road connectivity through programmes like Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna and improving the quality of life of urban population by effectively implementing national initiatives like Smart Cities Mission, AMRIT, HRIDAY and Housing for All (Urban). Presiding over the Rajya Sabha, he reached out to leaders of all political parties and endeavoured to raise the salience, stature and productivity of Parliament. He has underscored the critical importance of effective functioning of Parliamentary Committees and other democratic institutions. As a public figure, he has held a number of leadership positions in the Bhartiya Janata Party, including as its President. In his numerous public engagements, he has passionately argued for greater citizen ownership and partnership in national development as well as for enhanced use of Indian languages in education, governance and social life. His commitment to contribute to the realization of the dream of a Shreshth Bharat and Atmanirbhar Bharat led him to establish 'Swarna Bharat Trust', a not-for-profit voluntary organization with a focused attention to women's empowerment, skill development of youth as well as healthcare needs and livelihood opportunities of the rural poor.

4. Shri Naidu has etched for himself a unique place in Indian politics with his eloquent speeches, disarming simplicity and humane, pragmatic approach towards governance. He has distinguished himself in various public offices he has held and has endeared himself to the vast Indian diaspora during his visits abroad. He chaired the General Council Meeting of UN-Habitat held in Nairobi in 2017.

5. Shri Naidu was conferred an Honorary Doctorate by the University of Peace, founded by the United Nations, for his contribution "to the Rule of Law, democracy and sustainable development in India" in 2019. He was also conferred 'The Order of the Green Crescent', the highest civilian honour, by the Government of Comoros in 2019. He is also the recipient of several lifetime achievement awards for outstanding public service.

पद्म विभूषण



श्री मुप्परपु वेंकय्य नाइडु

श्री मुप्परपु वेंकय्य नाइडु, भारत के 13वें उपराष्ट्रपति, पांच दशक से भी अधिक समय से एक प्रमुख राजनीतिक हस्ती रहे हैं।

2. श्री नाइडु का जन्म दिनांक 01 जुलाई 1949 को आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के चवतपालेम गांव में हुआ था। उन्होंने कम आयु में ही एक छात्र कार्यकर्ता के रूप में मुख्यधारा की राजनीति में कदम रखा और 1972 में जय आंध्र आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने आंध्र विश्वविद्यालय से विधि स्नातक किया। विधायक के रूप में उनका चौतीस वर्ष से अधिक समय का लंबा और शानदार कार्यकाल रहा है। वह दस वर्ष तक नेल्लोर जिले के उदयगिरि से विधान सभा के सदस्य रहे और फिर लगभग चौबीस वर्ष तक कर्नाटक और राजस्थान से राज्य सभा के सदस्य रहे। उन्होंने 1999 में तत्कालीन प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की मंत्रिपरिषद में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री के रूप में कार्य किया। बाद में, उन्होंने 2014 और 2017 के बीच, प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री, केंद्रीय शहरी विकास, आवासन और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री के दायित्वों का निर्वहन किया। वह 2017 से 2022 तक भारत के उप-राष्ट्रपति रहे।

3. श्री नाइडु ने अपनी राजनीतिक यात्रा में लगातार किसानों के हित और पिछड़े क्षेत्रों के विकास के मुद्दों को उठाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण सड़क संपर्क को बढ़ाने तथा स्मार्ट सिटी मिशन, अमृत, हृदय और सभी के लिए आवास (शहरी) जैसी राष्ट्रीय पहलों को प्रभावी ढंग से लागू करके शहरी आबादी के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राज्य सभा के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को साथ लेकर संसद की महत्ता, कद और क्षमता बढ़ाने का प्रयास किया। उन्होंने संसदीय समितियों और अन्य लोकतांत्रिक संस्थानों के प्रभावी कामकाज के गंभीर महत्व पर जोर दिया। एक जनसेवक के रूप में, उन्होंने भारतीय जनता पार्टी में अध्यक्ष पद सहित कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है। अपने सार्वजनिक संपर्कों के दौरान कई अवसरों पर, उन्होंने राष्ट्रीय विकास में नागरिकों के अधिक स्वामित्व और भागीदारी के साथ-साथ शिक्षा, शासन और सामाजिक जीवन में भारतीय भाषाओं का उपयोग बढ़ाने का भरपूर समर्थन किया है। वह श्रेष्ठ भारत और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं और इसमें योगदान हेतु उन्होंने एक गैर-लाभकारी स्वैच्छिक संगठन 'स्वर्ण भारत ट्रस्ट' की स्थापना की, जो महिला सशक्तीकरण, युवाओं के कौशल विकास तथा ग्रामीण निर्धनों की स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने और आजीविका अवसर सृजित करने के क्षेत्र में कार्य करता है।

4. अपने वाक्पटु भाषण, असीम सादगी और शासन के प्रति मानवीय, व्यावहारिक दृष्टिकोण के कारण श्री नाइडु का भारतीय राजनीति में एक अनूठा स्थान है। उन्होंने जिन पदों पर काम किया वहाँ अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी है और विदेशों में अपनी यात्राओं के दौरान व्यापक भारतीय समुदाय की बीच लोकप्रियता प्राप्त की। उन्होंने 2017 में नैरोबी में आयोजित यूएन-हैबिटेट की सामान्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।

5. श्री नाइडु को 2019 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यूनिवर्सिटी ऑफ पीस ने "भारत में कानून के शासन, लोकतंत्र और सतत विकास" में उनके योगदान के लिए मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया था। कोमोरोस सरकार ने वर्ष 2019 में उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ ग्रीन क्रसेंट' से सम्मानित किया था। उन्हें उत्कृष्ट लोक सेवा के लिए कई लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है।